वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल

# मुंबई पहुंचने से पहले खिलाड़ियों को घर पर 3 बार कराना होगा कोरोना टेस्ट

**नई दिल्ली(एजेंसी)।**

**भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड( बीसीसीआई ) ने भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे के लिए फुलप्रूफ प्लान बनाया है। टीम इंडिया को इंग्लैंड दौरे में न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलना है। इसके बाद टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। कोरोना संकट को देखते हुए बीसीसीआई ने टीम के ब्रिटेन रवाना होने से पहले सभी खिलाड़ियों का कोविड टेस्ट घर पर ही कराएगी।**

बीसीसीआई ने टीम इंडिया के दौरे के लिए रोडमैप तैयार कर लिया है। 19 मई को टीम इंडिया के खिलाड़ियों के मुंबई इकठ्ठा होने से पहले उनका तीन बार आरटी-पीसीआर टेस्ट कराया जाएगा। खिलाड़ियों के ये टेस्ट उनके घर में ही होंगे। 2 जून को ब्रिटेन रवाना होने से पहले सभी खिलाड़ियों को 14 दिन के लिए क्वारंटाइन होना पड़ेगा। इंग्लैंड रवाना होने से पहले लगभग टीम

इंडिया के सभी खिलाड़ियों ने कोरोना वैक्सीन की पहली डोज ले ली है। खिलाड़ियों को दूसरी डोज ब्रिटेन में लगने की संभावना है। इससे पहले, खिलाड़ियों के कोविड 19 के टीकाकरण के बारे में बोलते हुए बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया था कि भारत सरकार ने 18 साल से ज्यादा उम्र के हर नागरिक को के लिए टीकाकरण खोला है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी कोरोना वैक्सीन की पहली डोज यहां ले सकते हैं। लेकिन दूसरी खुराक को लेकर बीसीसीआई इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के संपर्क है। हमारी कोशिश है कि ब्रिटेन में ही खिलाड़ियों को कोरोना वैक्सीन की दूसरी खुराक मिल जाए। अगर इसके लिए ब्रिटेन सरकार से इजाजत नहीं मिलती है, तो हम भारत से ही कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज लेकर जाएंगे। 18 से 22 जून तक इंग्लैंड के साउथैम्पटन में भारत और न्यूजीलैंड के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल होना है। इसके बाद भारत इंग्लैंड के खिलाफ अगस्त-सितंबर में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा। इंग्लैंड दौरे के लिए बीसीसीआई ने भारत के 20 सदस्यीय दल का ऐलान किया है। रवींद्र जडेजा और हनुमा विहारी की टीम में वापसी हुई है। चयनकर्ताओं ने अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, आवेश खान और अर्जन नगवासवाला को भी स्टैंड बाई के तौर पर टीम में रखा है। केएल राहुल और रिद्धिमान साहा फिटनेस टेस्ट में पास होने के बाद भी टीम के साथ इंग्लैंड जाएंगे। इंग्लैंड के लिए भारतीय टीम के ऐलान होने के अगले दिन ही तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा कोरोना संक्रमित पाए गए थे।

## आईपीएल दुनिया की बेस्ट क्रिकेट लीग, कोई टूर्नामेंट इसका मुकाबला नहीं कर सकताः वहाब

**इस्लामाबाद(एजेंसी)।**

**पाकिस्तान के क्रिकेटर भी अब इंडियन प्रीमियर लीग के कायल हो गए हैं। पाकिस्तानी तेज गेंदबाज वहाब रियाज ने आईपीएल को दुनिया की बेस्ट क्रिकेट लीग बताया है।**

उन्होंने कहा कि इसका मुकाबला पाकिस्तान सुपर लीग समेत कोई और लीग नहीं कर सकती। इस लीग में दुनिया के बेस्ट क्रिकेटर शामिल होते हैं। वहाब ने यह बातें यूट्यूब चैनल पर कहीं। उन्होंने कहा कि आईपीएल वह लीग है, जहां दुनिया के बेस्ट क्रिकेटर आकर खेलते हैं। आप इसकी तुलना पीएसएल से नहीं कर सकते। मेरा मानना है कि आईपीएल एक अलग ही प्लेटफॉर्म है, जिसका लेवल बहुत ऊपर है। उनका कमिटमेंट, वे जिस रास्ते पर चलते हैं, उनकी सोच, खिलाड़ियों को निखारने की ताकत जैसी सबकुछ चीजें बिल्कुल ही अलग हैं।

पाकिस्तानी तेज गेंदबाज ने कहा कि मैं नहीं मानता कि दुनिया में कोई भी लीग आईपीएल की बराबरी भी कर सकती है। यदि इसके बाद दूसरे नंबर पर किसी लीग की बात करें तो वह पीएसएल है। पाकिस्तान में इस लीग ने यह साबित भी किया है। हालांकि, पीएसएल में बॉलिंग का लेवल काफी अच्छा है। इस ऊंची स्तर की बॉलिंग आपको किसी भी लीग में देखने को नहीं मिलेगी। आईपीएल में भी नहीं। यही कारण है कि पीएसएल में मैच हाईस्कोरिंग नहीं होते हैं।

28 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले मोहम्मद आमिर परिवार के साथ ब्रिटेन में रह रहे हैं। उन्होंने वहां की नागरिकता के लिए भी आवेदन दिया है। इस पर आईपीएल में खेलने की संभावनाओं के बारे में मीडिया ने उनसे सवाल पूछा, जिस पर उन्होंने कहा कि अभी वैसा कुछ सोचा नहीं है। ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद इस पर विचार किया जाएगा। उस वक्त जैसी परिस्थिति होगी वैसा किया जाएगा।

**2008 सीजन में पहली और आखिरी बार आईपीएल खेले थे पाकिस्तानी:** फिलहाल सीमा पर तनाव समेत कई मुद्दों को लेकर पाकिस्तान और भारत के बीच रिश्ते अच्छे नहीं चल रहे हैं। यही कारण है कि पाकिस्तानी क्रिकेटरों की आईपीएल में एंट्री नहीं है। पाकिस्तान के खिलाड़ियों को 2008 के पहले सीजन में पहली और आखिरी बार मौका मिला था। तब 12 पाकिस्तानी प्लेयर्स आईपीएल में खेले थे। 2009 में श्रीलंका टीम पर आतंकी हमले और 26/11 की घटना के बाद ये फैसला लिया गया था कि कोई भी पाक क्रिकेटर आईपीएल में नहीं खेलेगा। आईपीएल का पहला सीजन 8 टीमों के साथ 2008 में खेला गया था। तब 5 टीमों में कुल 12 पाकिस्तानी क्रिकेटर पहली और आखिरी बार टूर्नामेंट खेले थे।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले

## इंग्लैंड के तेज गेंदबाज हैरी गर्नी ने किया संन्यास का ऐलान

**नई दिल्ली(एजेंसी)।**

**लगातार चोटों से प्रभावित इंग्लैंड के तेज गेंदबाज हैरी गर्नी ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट्स से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है।**

गर्नी को पिछले साल चोट लग गई थी, जिसके चलते वे आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए नहीं खेल सके थे। नॉटिघम में जन्मे गर्नी ने 2014 में इंग्लैंड के लिए 10 वनडे और दो टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले। गर्नी ने सोशल मीडिया पर रिटायरमेंट की घोषणा की। गर्नी ने कहा, मेरे लिए संन्यास लेने का समय आ गया है। मैंने कंधे की चोट से उबरने की कोशिश की लेकिन मैं इस बात से दुखी हूं कि मुझे अपना करियर इस कारण खत्म करना पड़ा है। जब मैं 10 साल का था तब मैंने पहली बार गेंद हाथ में पकड़ी थी। उसके बाद क्रिकेट 24 सालों तक मेरे जीवन का हिस्सा रहा है और मेरे लिए यह यात्रा शानदार रही।

## पृथ्वी शॉ भारत के लिए वो करेंगे जो सहवाग ने कियाः सरनदीप सिंह

**नई दिल्ली( एजेंसी )।** बीसीसीआई ने इंग्लैंड दौरे के लिए पृथ्वी शॉ को टीम में शामिल नहीं किया है। भारत को इंग्लैंड दौरे पर पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलना है। इसके बाद टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। 18 जून से भारत और न्यूजीलैंड के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल साउथेम्प्टन में खेला जाएगा। पृथ्वी शॉ को टेस्ट टीम में जगह ना देने पर भारत के पूर्व चयनकर्ता सरनदीप सिंह ने सवाल उठाए हैं। पृथ्वी शॉ को पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड टेस्ट में शून्य और 2 रन बनाने के बाद बाकी सीरीज के लिए बाहर कर दिया गया था। इसके बाद उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी टीम में शामिल नहीं किया।

## आईपीएल में खेले इंग्लैंड के खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में जगह मिलना मुश्किल

**लंदन(एजेंसी)।**

**इंग्लैंड के आईपीएल 2021 में खेले क्रिकेटरों को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जगह मिलना मुश्किल है, क्योंकि बोर्ड प्रैक्टिस के बिना उन्हें क्वारंटाइन से सीधे टेस्ट खेलने नहीं उतारना चाहता।**

इसके मायने हैं कि जोस बटलर, जॉनी बेयरस्टो, क्रिस वोक्स, सैम करन और मोईन अली जैसे खिलाड़ी दो जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज नहीं खेल सकेंगे। उनका क्वारंटाइन इस सप्ताह के आखिर में खत्म होगा, जबकि लॉर्ड्स पर पहला टेस्ट शुरू होने में दो सप्ताह ही बचे हैं। आईपीएल खिलाड़ियों के लिए समय बहुत कम बचा है। इसके मायने हैं कि ओली रॉबिनसन, क्रेग ओवरटन और जेम्स ब्रासे जैसे खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है। टेस्ट क्रिकेट का प्रैक्टिस नहीं मिल पाना चिंता का सबब है। वहीं दूसरे खिलाड़ी कई सप्ताह से काउंटी चैम्पियनशिप खेल रहे हैं। मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड मंगलवार को चयन समिति की बैठक बुलाएंगे। इससे पहले इंग्लैंड पुरुष क्रिकेट के प्रबंध निदेशक एशले जाइल्स ने संकेत दिया था कि निर्लंबित आईपीएल से लौटे खिलाड़ियों का न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलना कठिन है। आईपीएल में इंग्लैंड के 11 क्रिकेटरों ने भाग लिया था। आईपीएल बायो बबल में कोरोना संक्रमण के कारण चार मई को टूर्नामेंट अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

## विश्वनाथन आनंद समेत शतरंज खिलाड़ियों ने कोरोना राहत कोष के लिए जुटाए 37 लाख रुपए

**चेन्नई( एजेंसी )।** पांच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद समेत भारतीय शतरंज खिलाड़ियों ने ऑनलाइन नुमाइशी मैच खेलकर कोरोना महामारी के खिलाफ भारत की जंग के लिए करीब 37 लाख रुपये जुटाए हैं। चेस डॉट कॉम द्वारा आयोजित इस मुहिम में भारत के टॉप शतरंज खिलाड़ियों ने भाग लिया। इससे एकत्र धनराशि रेडक्रॉस इंडिया और चेकमेट कोविड अभियान को जाएगी। स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी जी सत्यन ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में दिया एक लाख रुपए का दान। गुरुवार को आनंद, कोनेरू हम्पी, डी हरिका, निहाल सरीन और पी रमेशबाबू ने 105 खिलाड़ियों के खिलाफ चेस डॉट कॉम पर ऑनलाइन नुमाइशी मैच खेले।

# व्यापार

## खास खबरें

### बिक्री बढ़ने से बिरला कॉर्पोरेशन का मार्च तिमाही का शुद्ध लाभ 28 प्रतिशत बढ़कर 249 करोड़ रुपए पर पहुंचा

**भोपाल।** बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने चौथी तिमाही में 249.33 करोड़ रुपए की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले साल की समान अवधि में 194.73 करोड़ रुपए से 28 प्रतिशत अधिक था, क्योंकि बिक्री 24.5 प्रतिशत बढ़कर 4.17 मिलियन टन (एमटी) हो गई। 31 मार्च तक 2,146.12 करोड़ रुपए की आय के साथ तीन महीने में कुल राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में 24.9 प्रतिशत अधिक रही। कंपनी की उत्पादन क्षमता के 108 प्रतिशत तक के उपयोग के चलते उत्पादन और बिक्री बढ़ने से कंपनी का लाभ बढ़ा और ये तिमाही साल की सबसे बेहतर तिमाही साबित हुई। वित्त वर्ष 20-21 की शुरुआत में कोविड-19 महामारी के कारण परिचालन में बड़े पैमाने पर व्यवधानों को पार करते हुए, बिरला कॉर्पोरेशन अपने पिछले साल के तुलना में 24.7 प्रतिशत की बढ़त के साथ कुल 630.14 करोड़ रुपए के उच्चतम लाभ के साथ पूर्ण वर्ष में शानदार शुद्ध लाभ दर्ज करने में सफल रहा। पहली तिमाही में बिक्री में कमी के कारण, पूरे वर्ष के लिए कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 1.6 प्रतिशत गिरकर 6,885.36 करोड़ रुपए रहा। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए बिक्री में पिछले वर्ष में दर्ज 13.64 मिलियन टन से 1.8 प्रतिशत की गिरावट के साथ कुल बिक्री 13.39 मिलियन टन तक ही रही।

## इलेक्ट्रिक चार्जिंग पाइंट की कीमत होगी अब सिर्फ 3,500 रुपए, कई भारतीय कंपनियां करेंगी इसका उत्पाद

**नई दिल्ली**

भारत सरकार एक नया लो-कॉस्ट यूएसी चार्जिंग पॉइंट रोलआउट करने के लिए तैयार है, जो चार्जिंग पॉइंट स्थापित करने की शुरुआती लागत को कम करके इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में मदद करेगा। इसने कम लागत वाले ईवी चार्जिंग प्वाइंट के लिए 3,500 रुपये का मूल्य निर्धारित किया है। कम लागत वाली, ईवी चार्जिंग पहल का उद्देश्य अनिवार्य रूप से भारत में टियर 2 और 3 शहरों, कस्बों और गांवों में ईवी, खासकर दोपहिया और तिपहिया वाहनों के फायदों को अपनाने और विस्तार करने में सक्षम बनाना है।

दोपहिया और तिपहिया वाहन देश में मोटराइज्ड परिवहन का सबसे किफायती रूप हैं। वे कुल वाहन बिक्री का लगभग 84त्न हिस्सा हैं। इन दो सेगमेंट्स में सबसे तेजी से ईवी को अपनाने की उम्मीद है। 2025 तक उम्मीद है कि

हर साल 4 मिलियन वाहनों को बेचा जा सकता है, जो 2030 तक बढ़कर लगभग 10 मिलियन हो जाएगा। इसलिए, सरकार के अनुसार, इस क्षेत्र को पूरा करने के लिए कोई भी चार्जिंग समाधान अत्यधिक स्केलेबल होना चाहिए, जनता द्वारा आसानी से सुलभ होना चाहिए, इंटरऑपरेबिलिटी का समर्थन करना चाहिए और किफायती होना चाहिए।

ईवी चार्जिंग इकोसिस्टम के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार का कार्यालय, एनआईटीआई टीम के साथ इस चुनौती को लेकर काम कर रहा है। एक कमिटी जिसमें स्टेकहोल्डर्स, ईवी मैन्युफैक्चरर्स, ऑटो और इलेक्ट्रॉनिक कॉम्पोनेंट सप्लायर, पावर यूटिलिटी और कम्युनिकेशन सर्विस प्रोवाइडर हैं, ये सभी मिलकर फास्ट ट्रैक मोड में काम कर रहे हैं, जिसमें स्पेक्स, प्रोटोटाइप प्रोडक्ट्स की टेस्टिंग शामिल है। इन्हें औपचारिक रूप से भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा जारी किया जाना है।

इस ग्रुप ने इस चार्जिंग पाइंट के लिए 3500 रुपए की कीमत रखी है। जिसमें स्मार्ट एसी चार्ज पाइंट मिलता है और इसे आप स्मार्टफोन से भी ऑपरेट कर सकते हैं। यह कम लागत वाला एसी चार्जपॉइंट (एलएसी) ई-स्कूटर और ई-ऑटोरिक्शा चार्ज करने के लिए 3 किलोवाट तक का पावर देता है।

कई भारतीय निर्माता पहले से ही इस चार्ज प्वाइंट डिवाइस को भारतीय मानकों के अनुसार बनाने के लिए तैयार हैं, जिसका लक्ष्य मूल्य 3,500 रुपये से कम है। एलएसी डिवाइस को अत्यधिक स्केलेबल और किसी भी स्थान पर तैनात किया जा सकता है, जहां एक 220वी 15 सिंगल फेज लाइन उपलब्ध है, मुख्य रूप से मेट्रो और रेलवे स्टेशनों, शॉपिंग मॉल, अस्पतालों, ऑफिस कॉम्प्लेक्स, अपार्टमेंट और यहां तक कि किराना और अन्य दुकानों की पार्किंग में उपलब्ध होता है।

## सोने के आयात में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी, निर्यात के सभी सेक्टर में भी तेजी, इकोनॉमिक रिकवरी के लिए अच्छा संकेत : वाणिज्य सचिव

**नई दिल्ली**

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, इस वर्ष अप्रैल में सोने के आयात में पिछले वर्ष अप्रैल के मुकाबले 2,20,357.24 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई। विदेश व्यापार विशेषज्ञों के मुताबिक यह पहला मौका होगा जब सोने के आयात में दो लाख फीसद से अधिक का इजाफा हुआ है। हालांकि, यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से पिछले वर्ष देशव्यापी लॉकडाउन की वजह से काफी कम कारोबार होने की वजह से आई है।

शुक्रवार को जारी मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, इस वर्ष अप्रैल में 6.23 अरब डॉलर मूल्य के सोने का आयात किया गया, जबकि पिछले वर्ष अप्रैल में सिर्फ 28 लाख डॉलर मूल्य के सोने का आयात हुआ था। जेम्स व ज्वैलरी की निर्यात मांग बढ़ने से भी सोने के आयात में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस वर्ष अप्रैल के निर्यात में पिछले वर्ष अप्रैल के मुकाबले 195.72 फीसद का इजाफा रहा। इस वर्ष अप्रैल के निर्यात में वास्तविक तेजी है, क्योंकि वर्ष 2019 के अप्रैल के मुकाबले इसमें 17.62 फीसद की बढ़ोतरी हुई है।

वाणिज्य सचिव अनूप वधावन ने बताया कि निर्यात के सभी सेक्टर रिकवर कर रहे हैं और कुछ सेक्टर में खास तेजी है। उन्होंने कहा इसे देखते हुए ही चालू वित्त वर्ष के लिए 400 अरब डॉलर यानी लगभग 29 लाख करोड़ रुपये का निर्यात लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि कई सारे क्षेत्र जो पिछले वर्ष में खराब प्रदर्शन कर रहे थे उनमें भी काफी तेजी से रिकवरी हुई है। इस वर्ष अप्रैल में जेम्स व ज्वैलरी के निर्यात में पिछले वर्ष अप्रैल के मुकाबले 160.24 फीसद का इजाफा रहा।

**स्पेशल खबर** *जियोफोन के प्रत्येक रिचार्ज पर कंपनी उसी कीमत का एक अतिरिक्त प्लान मुफ्त देगी*

## जियो का बड़ा एलान, अब हर महीने मुफ्त में बात कर सकेंगे जियो के ग्राहक

**नई दिल्ली**

देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो अपने उन जियोफोन ग्राहकों को 300 मिनट मुफ्त आउटगोइंग कॉलिंग की सुविधा देगी, जो ग्राहक लॉकडाउन या अन्य वजहों से रिचार्ज नहीं करा पा रहे हैं। बिना रिचार्ज किए जियोफोन ग्राहक अब 10 मिनट रोजाना अपने मोबाइल पर बात कर पाएंगे। 10 मिनट रोजाना के हिसाब से कंपनी प्रतिमाह 300 मिनट मुफ्त आउटगोइंग कॉलिंग की सुविधा देगी।

इनकमिंग कॉल पहले की तरह ही मुफ्त रहेगी। कंपनी ने घोषणा की है कि यह सुविधा महामारी के दौरान जारी रहेगी। इससे करोड़ों जियोफोन उपभोक्ताओं को फायदा पहुंचेगा। देश के अधिकतर राज्यों में लॉकडाउन लगा है, लोग घरों में कैद हैं। ऐसे में मोबाइल रिचार्ज कराना मुश्किल हो गया है। खासकर हाशिए पर रह रहे लोगों के लिए यह बेहद कठिन काम है। रिलायंस जियो ने जियोफोन ग्राहकों को इस दुविधा से निकालने के लिए ही यह पेशकश की है। कंपनी ने एक बयान में कहा है कि महामारी के दौरान कंपनी यह सुनिश्चित करना चाहती है कि समाज का वंचित वर्ग मोबाइल से कनेक्टिड रहे। जो जियोफोन ग्राहक मोबाइल रिचार्ज कर सकते हैं उनके लिए भी रिलायंस जियो के पास एक विशेष प्लान है। जियोफोन के प्रत्येक रिचार्ज पर कंपनी उसी कीमत का एक अतिरिक्त प्लान मुफ्त देगी। मतलब अगर जियोफोन ग्राहक 75 रू का 28 दिनों वाली वैलिडिटी का प्लान रिचार्ज करता है तो उसे 75 रू वाला ही एक और प्लान मुफ्त में मिलेगा, जिसे ग्राहक पहला रिचार्ज खत्म होने के बाद इस्तेमाल कर सकेंगे। रिलायंस फाउंडेशन लोगों को मोबाइल नेटवर्क से जोड़े रखने के लिए रिलायंस जियो के साथ मिलकर काम कर रहा है। रिलायंस जियो ने अपने बयान में कहा है कि कोरोना महामारी ने देश के सामने बहुत बड़ी चुनौती खड़ी की है और रिलायंस इस वक्त में प्रत्येक भारतीय के साथ कंधे से कधा मिला कर खड़ा है।

## एक साल में दोगुना हुआ पाम तेल का दाम

### अब चॉकलेट-स्नैक्स से लेकर साबुन तक पर करना होगा ज्यादा खर्च

**नई दिल्ली**

चॉकलेट से लेकर स्नैक्स और साबुन तक तैयार करने वाली कंपनियां अब अपने पैकेज्ड गुड्स के दाम बढ़ाने की तैयारी में है। इन कंपनियों का कहना है कि पाम तेल की कीमतों में भारी इजाफा होने के बाद उन्हें इसपर विचार करना पड़ रहा है। दरअसल, बीते एक साल में पाम तेल का भाव करीब दोगुना बढ़ चुका है। वैश्विक स्तर पर देखें तो खाद्य तेल की सबसे ज्यादा खपत भारत में ही होती है। भारत अपने जरूरत का अधिकतर पाम ऑयल इंडोनेशिया और मलेशिया से आयात किया जाता है। पाम तेल की कीमतों में इस बेतहाशा इजाफा को देखते हुए स्नैक्स कंपनियों का कहना है कि उन्हें इससे भारी नुकसान हो रहा है। चिप्स जैसे पैकेज्ड स्नैक्स तैयार करने वाली कंपनियां खाद्य तेल पर सबसे ज्यादा निर्भर रहती हैं। यही कारण है कि पाम तेल की कीमतों में इजाफा की वजह से ये कंपनियां अपने नुकसान की भरपाई करने के लिए स्नैक्स पैकिंग की वजन कम करने लगी हैं। बता दें कि ये कंपनियां अपनी जरूरत के लिए पाम तेल सीधे आयात नहीं करती हैं, बल्कि इन्हें बड़े आयातकों से खरीदना पड़ता है। एक मीडिया रिपोर्ट में बिकानों कंपनी के निदेशक मनीष अग्रवाल के हवाले से कहा गया है कि मिठाई और नमकीन जैसे प्रोडक्ट्स में पाम तेल सबसे प्रमुख होता है। अब पाम तेल में तेजी के बाद दूसरे खाद्य तेल के दाम में भी इजाफा होने की उम्मीद है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल- 462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com ( * समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) रजिस्टर्ड नं.म.प्र./296/भोपाल/2012-2014 आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017